सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 228 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 24 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

उन पत्थरों को उठाइए जो लोग आप पर फेंकते हैं और उनका इस्तेमाल कर के एक स्मारक खड़ी कर दीजिये।

–रतन टाटा

56 इंच की छाती में अब वो... 7 | कांग्रेसी दांव में फंस गई... 3 | मेरी ईमानदारी से डरी हुई है... 2

यूपी के बाद अब महाराष्ट्र में एनकाउंटर पर सियासी उबाल

विपक्ष ने शिंदे सरकार की पुलिस पर उठाए सवाल

- » बदलापुर कांड के आरोपी अक्षय की पुलिस मुठभेड़ में मौत
- » आरोपी की मां ने शव लेने से किया इंकार
- » राज्य सरकार ने दिए जांच के आदेश
- » सीआईडी करेगी मौत की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनकाउंटर को लेकर यूपी में अभी सियासी बवाल थमा भी नहीं था कि अब बदलापुर में बच्चियों से यौन शोषण मामले में पकड़े गए आरोपी के मुठभेड़ को लेकर महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी कोहराम मच गया है। हालांकि बदलापुर मामले की जांच सीआईडी को दे दिया है। महाराष्ट्र में बदलापुर में पिछले दिनों दो बच्चियों के साथ यौनशोषण में आरोपी अक्षय शिंदे को पुलिस ने एनकाउंटर में मार दिया। इसको लेकर महाराष्ट्र पुलिस विपक्ष के निशाने पर आ गई है। उधर उसकी मां ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने कहा जब तक न्याय नहीं मिलेगा वह शव नहीं लेंगी। महाराष्ट्र के बदलापुर में दो बच्चियों से यौन उत्पीड़न के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस एनकाउंटर के बाद अस्पताल में मौत हो गई। उस पर पुलिस की रिवॉल्वर छीनने का आरोप है।

फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को पुलिस वाहन की जांच की, जिसमें आरोपी अक्षय शिंदे को एक पुलिसकर्मी ने गोली मार दी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह घटना पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित है। इसकी जांच महाराष्ट्र सीआईडी करेगी। सीआईडी की एक टीम मुंब्रा बाईपास पर उस स्थान का दौरा करेगी, जहां घटना हुई थी।

बेटे को पुलिस ने मारा है : अक्षय की मां

अक्षय की मां का कहना है कि ये बात एकदम गलत है, वह ऐसा नहीं कर सकता, मां का आरोप है कि उसके बेटे को पुलिस ने मारा है, तब तक न्याय नहीं मिलेगा, वह बेटे का शव नहीं लेगी। अक्षय की मां ने कहा कि उसकी जब बात हुई थी तो उसने कहा था कि मम्मी मुझे कब छुड़ाकर लेकर जाओगी। उसने किसी से भी डर की कोई बात नहीं कही थी। अक्षय की मां ने कहा कि पुलिस ने उनको बोला था कि तुम्हारे बेटे ने बहुत बड़ा काम किया है, उसके साथ दो-तीन लोगों को लेकर आना पड़ता है। अक्षय की मां का आरोप है कि पुलिस ने उनके बेटे को बहुत मारा था।

हथकड़ी लगा हुआ व्यक्ति बंदूक कैसे छीन सकता है : विपक्ष

पुलिस का कहना है कि शिंदे की मौत जवाबी गोलीबारी में हुई, उसने एक कांस्टेबल की बंदूक छीनकर पुलिस पर गोलियां चला दी थीं। इस पर विपक्ष का कहना है कि हथकड़ी लगा हुआ व्यक्ति बंदूक कैसे छीन सकता है. उन्होंने मुठभेड़ का आरोप लगाया है। अक्षय शिंदे का कल जिस पुलिस वैन में एनकाउंटर हुआ, उसे ठाणे पुलिस मैदान में रखा गया है। मुठभेड़ की जांच के लिए बनी स्क्वॉड के प्रमुख डीसीपी पराग मनेरे और उनकी टीम ने आज सुबह पुलिस वैन का मुआयना किया। सूत्रों के मुताबिक मौके से फोरेंसिक टीम को 4 खाली कारतूस मिले हैं, जो कल फायर किए गए थे।

पहले फांसी की मांग की थी अब विपक्ष ले रहा पक्ष : सीएम शिंदे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कहना है कि इससे पहले विपक्षी दलों ने अक्षय शिंदे को फांसी दिए जाने की मांग की थी, अब वे उसका पक्ष ले रहे हैं और महाराष्ट्र पुलिस की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्षी नेताओं का ये कृत्य निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने साफ किया कि पुलिस ने आत्मरक्षा में अक्षय को गोली मारी। उनका कहना है कि विपक्षी दल सरकार की मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना की सफलता से घबरा गए हैं।

यूपी में मुस्लिम, यादव और ब्राह्मणों के ही हो रहे एनकाउंटर : माता प्रसाद

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और उनके परिवार का उत्पीड़न हो रहा है। वहीं, यूपी में मुस्लिम, यादव और ब्राह्मणों के फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। अनुज प्रताप सिंह के एनकाउंटर के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए एक्स पर अनुज की बहन का वीडियो साझा किया और लिखा-शोक में डूबी एक बहन के आंसू जो शब्द बनकर सबको झकझोर रहे हैं, लेकिन हृदयहीन व असंवेदनशील लोगों के लिए इनका कोई महत्व नहीं।

उन्नाव रेप पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा हटाने की मांग पर अड़ा केंद्र

मामला सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर

- » भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर है आरोपी
- » शीर्ष अदालत ने पीड़िता से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बहुचर्चित माखी रेप कांड की पीड़िता, परिवार के सदस्यों और उसके वकीलों को सीआरपीएफ की सुरक्षा दी गई है। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने कोर्ट का रुख किया है। अब अदालत ने केंद्र की याचिका पर मंगलवार को पीड़िता और उसके परिवार से जवाब मांगा है।

गौरतलब है, भाजपा से निष्कासित नेता

कुलदीप सिंह सेंगर साल 2017 में उन्नाव इलाके में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था।

सुरक्षा वापस लेने के लिए याचिका दायर करे केंद्र

इससे पहले, 14 मई को शीर्ष अदालत ने केंद्र से कहा था कि वह पीड़िता और अन्य को दी गई सीआरपीएफ सुरक्षा वापस लेने के लिए अलग से एक याचिका दायर करें। इस पर केंद्र ने कहा था कि पीड़िता को यूपी या दिल्ली की पुलिस भी सुरक्षा दे सकती है। सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति होनी चाहिए।

मेडिकल में दाखिले को लेकर केंद्र को 'सुप्रीम' आदेश

- » कोर्ट की सख्त टिप्पणी- केंद्र सरकार को कानून के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेडिकल दाखिले में एनआरआई कोटे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि हमें एनआरआई कोटे का धंधा बंद कर देना चाहिए। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी है, हम अपनी शिक्षा प्रणाली के साथ ये क्या कर रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल प्रवेश के लिए एनआरआई कोटे की परिभाषा को व्यापक बनाने वाली अधिसूचना को रद्द करने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती को खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें धोखाधड़ी को समाप्त करना होगा। हाईकोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। इसके हानिकारक परिणामों को देखें, जिन उम्मीदवारों के अंक 3 गुना अधिक हैं, उनको दाखिला नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार को लाइन में आना चाहिए, अजीबोगरीब तथ्यों को कानून के कुछ सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हम कानून के सिद्धांतों को निर्धारित करेंग, जज जानते हैं कि उन्हें किससे निपटना है, हाईकोर्ट ने इस मामले को बारीकी से निपटाया है।

एनआरआई कोटे का धंधा बंद कर देना चाहिए : सीजेआई

मेरी ईमानदारी से डरी हुई है बीजेपी : केजरीवाल

» बोले- मुझ पर राजग में शामिल करने का दबाव डाला गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा में आप के बिना सरकार नहीं बन पाएगी

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 10 साल से दिल्ली के लोगों की सेवा कर रहा हूं। पूरे देश में दो राज्य हैं, जहां बिजली मुफ्त और 24 घंटे मिलती हैं और मंहगी बिजली कहां मिलती है, हरियाणा-गुजरात में, जहां इनकी सरकारें हैं, अब लोग मुझसे पूछते हैं कि आपकी सरकार बनेगी क्या, मैं कहता हूं कि हमारे (आम आदमी पार्टी) बिना भी नहीं बनेगी, जो भी सरकार बनेगी वो आम आदमी पार्टी की समर्थन से बनेगी।

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश में सभी राजनीतिक दल के नेता पूरी ताकत के साथ चुनावी अभियान में जुटे हुए हैं। इसी सिलसिले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने को सिरसा जिले के डबवाली में एक रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी की केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे जेल में उन्हें तोड़कर राजग में शामिल करना चाहते थे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, नहीं जानते कि मैं हरियाणा से हूं, आप किसी को भी तोड़ सकते हैं, लेकिन हरियाणवी को नहीं, उनका कहना है कि बीजेपी उनकी ईमानदारी से डरी हुई है और पार्टी ने उनकी छवि खराब करने के लिए उन्हें फर्जी मामले में जेल में डाल दिया। आप संयोजक ने डबवाली विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप सिंह के समर्थन में आयोजित रोड शो में कहा, उन्होंने मुझे तोड़ने के लिए कई हथकंडे अपनाए और उन्होंने मुझसे बार-बार बीजेपी, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने को कहा में नहीं टूटा और जेल से बाहर आने के बाद आज आपके सामने हूं।

प्राचीन हनुमान मंदिर गईं सीएम आतिशी

दिल्ली की सीएम आतिशी ने आज कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इससे पहले एक्स पर उन्होंने लिखा, ईश्वर हम सबको शक्ति और साहस दें, ताकि हम दिल्ली के विकास और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के विजन को आगे बढ़ा सकें। आज सुबह 11 बजे कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पहुँचकर हनुमान जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लूँगी। ईश्वर हम सबको शक्ति और साहस दें ताकि हम दिल्ली के विकास और हमारे नेता केजरीवाल जी के विज़न को आगे बढ़ा सकें। आतिशी ने कहा, मुझे विश्वास है कि फरवरी में होने वाले चुनाव में दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल को जिताकर दोबारा सीएम बनाएगी।

राहुल गांधी की आरक्षण नीति छलकपट वाली : मायावती

» बोलीं- देश में कुछ और विदेश में कुछ बोलते हैं कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी आरक्षण की नीति छलकपट वाली है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस व राहुल गांधी की एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं बल्कि दोगली एवं छलकपट की है।

अपने देश में इनके वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन व इसे 50 प्रतिशत से ऊपर बढ़ाने की वकालत तथा विदेश में जाकर इनके आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। इनके इस दोहरे मापदण्ड से लोग सचेत रहें। यह भी सच है कि केन्द्र में इनकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मण्डल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। साथ ही, बीएसपी के संघर्ष से एससी और एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को भी कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अभी तक लम्बित है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में इनकी सरकार ने कोर्ट में सही से पैरवी नहीं की। इस आरक्षण विरोधी कांग्रेस व अन्य पार्टियों से भी ये लोग सजग रहें। बता दें कि मायावती राहुल गांधी द्वारा आरक्षण को समर्थन देने और जातीय जनगणना कराने के आह्वान पर लगातार कांग्रेस और राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करती हैं।

समस्तीपुर में फिर गिरा 6 लेन पुल का स्लैब, राजद ने बिहार सरकार को घेरा

» विकास व अपराध को लेकर नीतीश सरकार का चेहरा बेनकाब: मृत्युंजय तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में फिर एक पुल का स्लैब गिर गया। जिसको लेकर सियासत तेज हो गई है। लालू यादव का पार्टी राजद ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया है। हालांकि, जदयू की ओर से भी जवाब दिया जा रहा है। बिहार के समस्तीपुर जिले में एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया।

हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह पुल बख्तियारपुर और ताजपुर गंगा महासेतु को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा था। यह घटना हाल के दिनों में बिहार के कई जिलों में एक दर्जन से अधिक पुलों और पुलों के ढहने की पृष्ठभूमि में आई है, जिनमें सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिले शामिल हैं।

मां-बाप तो मेहनत करता है पर बाल-बच्चा गड़बड़ निकल जाता है : दिलीप जायसवाल

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव का नाम लिए बगैर हमला बोला है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि कोई भी चीज दुनिया में असंभव नहीं है, आगे तेजस्वी यादव का नाम लिए बगैर तंज कसते हुए कहा कि हमारी लड़ाई तो नौवीं फेल के साथ है, इसलिए कोई चिंता ही नहीं है, मां-बाप तो बाल-बच्चा के लिए बहुत मेहनत करता है, लेकिन बाल-बच्चा कभी-कभी गड़बड़ निकल जाता है। वहीं दूसरी ओर बिहार में चल रहे जमीन सर्वे पर उन्होंने कहा कि आज जिसका बाल-बच्चा दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु में रहता है अगर उसके मां-बाप थोड़ा कष्ट कर जमीन का कागजात सही करा लेते हैं तो बहुत अच्छा है, 10 साल बाद वो बाल-बच्चा बेंगलुरु से नहीं आएगा।

अपनी ही सरकार की पुलिस पर बरसे भाजपा विधायक

» कमिश्नरेट नहीं बल्कि कमीशन का रेट : धर्मेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार में पुलिसिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा कि मुख्यमंत्री योगी की छवि खराब करने और जीरो टॉलरेंस नीति को पलीता लगाया जा रहा है। आगरा के भारतीय जनता पार्टी छावनी क्षेत्र से विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ. जीएस धर्मेश ने आगरा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आगरा में पुलिस कमिश्नरेट नहीं बल्कि कमीशन का रेट है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से लेकर एसीपी तक मुख्यमंत्री की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को पलीता लगा रहे हैं। भूमाफिया व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय उन्हें संरक्षण दे रहे हैं। भाजपा विधायक ने बताया कि उनके पास पुलिस अधिकारियों के खिलाफ साक्ष्य हैं। जिन्हें वह मुख्यमंत्री को

मिलकर सौंपेंगे। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में समाज कल्याण राज्यमंत्री रहे डॉ. धर्मेश ने आगरा पुलिस पर सरकार की छवि खराब कराने सहित कई आरोप लगाए हैं। आगरा सहित तीन जिलों में 25 नवंबर 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कमिश्नरेट प्रणाली लागू की थी। डॉ. प्रीतिंदर सिंह को पहला पुलिस कमिश्नर बनाया गया। चर्चित बोदला जमीन कांड में तत्कालीन थानाध्यक्ष को जेल जाना पड़ा। जिसके बाद डॉ. प्रतिंदर सिंह की जगह जे रविन्दर गौड पुलिस कमिश्नर बने। पूर्व राज्यमंत्री डॉ. जीएस धर्मेश छावनी क्षेत्र से भाजपा विधायक हैं। वह भ्रष्टाचार को लेकर मुखर रहे हैं। बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगरा स्मार्ट सिटी में भ्रष्टाचार की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी। स्मार्ट सिटी नोडल अधिकारी आरके सिंह पर कमीशन की काली कमाई से अकूत संपत्तियां अर्जित करने के आरोप लगाए थे। इसके अलावा वह अन्य कई परियोजनाओं में भी भ्रष्टाचार को लेकर मोर्चा खोल चुके हैं।

भाजपा के दायित्ववान कार्यकर्ताओ को जेल भेजा जा रहा

उन्होंने कहा कि न्यायालय से गैर जमानती वारंटियों को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ा जा रहा है। भाजपा के दायित्ववान कार्यकर्ताओं पर अनावश्यक गंभीर धाराएं लगाकर उन्हें जेल भेजा जा रहा है। न्यायालयों में पुलिस की लचर पैरवी से अपराधी, बलात्कारी और भूमाफिया बरी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते पहले थाना छत्ता पुलिस ने एक गैर जमानती वारंटी को पकड़ा और दो घंटे बाद ही छोड़ दिया। आखिर इंस्पेक्टर ने किसके आदेश पर छोड़ा।

उपचुनाव में भाजपा को मात देने की तैयारी में सपा

» 10 सीटों पर मतदाता जोड़ो अभियान चलाएगी पार्टी

» कम अंतर से हारी सीटों के लिए बनाई खास रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सपा किसी भी कीमत पर जीत हासिल करना चाहती है। वह 2024 लोकसभा चुनाव की तरह ही भाजपा को पटकनी देने को तैयार है इसके लिए उसे खास रणनीति बना ली है। वह इन सीटों के मतदाताओं को सपा से जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी।

गौरतलब हो कि करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, खैर, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवा और मीरापुर के लिए उपचुनाव होने हैं। सूत्रों

के मुताबिक, सपा ने इन सीटों पर उन बूथों को चिह्नित कर लिया है, जहां पिछले चुनाव में उसे कम वोट मिले थे। सपा उपचुनाव वाली सीटों पर मतदाता जोड़ो अभियान चलाएगी। उन्हें किसानों, नौजवानों और महिलाओं के मुद्दे पर लामबंद किया जाएगा। इस अभियान के तहत सपा के प्रमुख पदाधिकारी बूथ स्तर पर जाकर काम करेंगे। इन बूथों पर विशेष ध्यान देने की रणनीति बनाई गई है। उन बूथों पर जिस जाति के मतदाता ज्यादा होंगे, सपा के उस जाति के प्रमुख पदाधिकारियों को वहां भेजा जाएगा।

कांग्रेसी दांव में फंस गई बीजेपी!

» हरियाणा की राह सैनी के लिए आसान नहीं
» रैलियों में जुटी भीड़ से उत्साहित हैं हुड्डा
» विरोधों से सहमी भगवा सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति में कब क्या होगा। कोई नहीं जानता है। इस समय दो प्रमुख राज्यों हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में चुनावी सरगर्मी तेजी में हैं। नेता एक दूसरे की कमी निकालने में लगे हुए हैं। केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा अपनी सत्ता को बरकरार रखने को बेताब है जबकि देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी सत्ता पाने को बेताब है। दोनों पार्टियां आम जनता के लिए वादे पर वादे कर रही हैं। कोई गारंटी दे रहा है तो कोई बेरोजगारी भत्ते देने की बात कर रहा है। अब चुनावों के परिणाम ही बताएंगे कि भाजपा अपनी कुर्सी बचा पाती है कांग्रेस उसको उतारकर कुर्सी हथिया पाती की नहीं।

उधर जहां बीजेपी को कई जगहों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है तो कांग्रेस की रैलियों में अपार जनसमूह जुट रही है। जहां हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने के लिए हर दावं आजमा रही है। वह कांग्रेस बागियों को भी अपने पाले में करने को आतुर है। इसी मद्दे नजर व कांग्रेस की दिग्गज महिला नेता कुमार सैलजा को अपने पाले में करने को तीन-पांच करने में लगी है। उधर विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राहुल गांधी अमेरिका जाने वाले करनाल के घोघड़ीपुर गांव निवासी अमित मान के घर पहुंचे थे। राहुल ने उनके परिजनों से मुलाकात कर परिजनों के सामने ही वीडियो कॉल कर अमित से बातचीत भी की। उन्होंने इसी के सहारे एक बड़ा दांव खेला है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी अचानक हरियाणा में पहुंचे हो। इससे पहले वह सोनीपत के एक गांव पहुंचे और किसानों के साथ खेत में जाकर धान को बोया। उससे पहले वह ट्रक ड्राइवर के साथ उसके ट्रक में बैठकर अंबाला पहुंचे। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी वह हरियाणा में पहुंचे थे और कई लोगों से मुलाकात की थी।

राहुल गांधी ने विदेश जाने का मुद्दा उठाया

राहुल के सियासी दांव से सब चित

राहुल को देख लोग हैरान हो गए वह बिना किसी राजनीतिक रैली या चुनाव प्रचार के लिए उनके बीच पहुंच गए। कुछ समय बिताने के बाद वह लौट गए। अमित के परिजनों से उनकी मुलाकात को लोग भावनात्मक जुड़ाव से देख रहे हैं, मगर इसके पीछे उनका एक सियासी दांव छिपा है। दरअसल राहुल के अमित घर के पहुंचने के साथ डंकी रूट (अवैध तरीके) की भी काफी चर्चा हो रही है। अमित डंकी रूट से ही अमेरिका पहुंचा था और अब उसे वापस आने में दिक्कत हो रही है। डंकी रूट का मुद्दा सीधे बेरोजगारी से जुड़ा है और कांग्रेस का इस चुनाव में मुख्य मुद्दा ही बेरोजगारी का है। पिछले दो दशक से हरियाणा के युवा बड़ी संख्या में विदेश जा बसे हैं। इन बच्चों के परिजन और विपक्षी दल मानते हैं कि रोजगार की कमी से उनके बच्चे विदेश की ओर रुख कर रहे हैं। जब तमाम कोशिशों के बाद युवाओं का वीजा नहीं लगता है तो वह डंकी रूट से विदेश जाते हैं। इसमें लाखों रुपये खर्च होता है और कई तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ती है।

दीपेंद्र हुड्डा ने संसद में भी पूछा था सवाल

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा अपनी हर सभा में डंकी रूट और बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हैं। बीती जुलाई को संसद सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने डंकी रूट का मुद्दा भी उठाया था। उन्होंने विदेश मंत्रालय से पूछा कि देश व हमारे प्रदेश के लाखों नौजवान बेरोजगारी और हताशा से परेशान विदेशों की तरफ जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक साल में करीब 97 हजार भारतीय नागरिक जंगल के रास्ते अमेरिका पहुंचे हैं। यूएस में 15 लाख ऐसे भारतीय नागरिक हैं,

जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं है। विदेश मंत्रालय ऐसे लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कार्य कर रहा है। इस पर विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने जवाब देते हुए कहा था कि भारत सरकार ने ई-माइग्रेट पोर्टल शुरू किया है। इसका मकसद उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मगर जो नागरिक इस सेवा का लाभ नहीं उठाते हैं। उनके लिए दिक्कत आती है। रजिस्ट्रेशन से हम उनसे संपर्क में रख पाते हैं। परेशानी होने पर उनकी मदद भी करते हैं।

डंकी रूट से विदेश जाने का भी मुद्दा

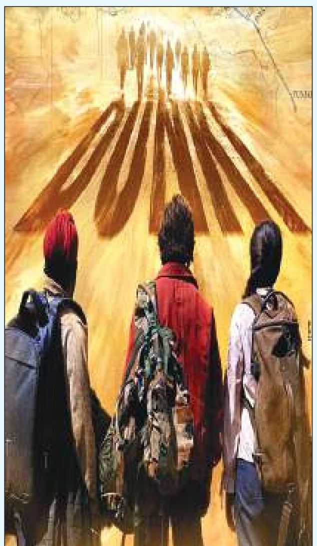

कांग्रेस के चुनावी कैंपेन में डंकी रूट का मुद्दा शामिल हैं। आने वाले दिनों में कांग्रेस गारंटियों के बाद अपना एक घोषणा पत्र भी जारी करेगी, जिसमें डंकी रूट का मुद्दा भी शामिल होगा। राहुल गांधी ने करनाल में आकर इस मुद्दे को पूरी तरह से सेट कर दिया है। अब पार्टी के इस मुद्दे को आगे बढ़ाएगी। हरियाणा के जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, अंबाला, यमुनानगर, हिसार, रोहतक और सिरसा के युवा काफी संख्या में डंकी रूट से हरियाणा के बाहर जा रहे हैं।

आप ने संघ व भाजपा पर साधा निशाना

केजरीवाल ने जेल से आने के बाद हरियाणा में ताबड़तोड़ प्रचार शुरू कर चुके हैं। उधर दिल्ली में आतिशी को सीएम बनाकर उन्होंने महिलाओं को अपनी ओर खींचने की रणनीति बनाई है। साथ ही आरएसएस के बहाने भाजपा को घेरने की भी तैयारी कर ली है। ज्ञात हो कि आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं पिछले दिनों आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर लंबी चर्चा चली, हालांकि बात नहीं बनी। इसके बाद आप ने उम्मीदवारों की घोषणा की। कांग्रेस ने पहले 90 विधानसभा सीटों में से 86 पर अपने उमीदवारों के नामों की घोषणा की है। आम आदमी पार्टी के बड़े नेता मनीष सिसोदिया, सुनीता

केजरीवाल, संजय सिंह और राघव चड्ढा समेत कई नेता चुनाव प्रचार में जोर-शोर से जुट गए हैं। हरियाणा के आप अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि 90 विधानसभा सीटों पर हमारे प्रत्याशी पूरी ताकत से चुनाव लड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल की एक मजबूत सरकार बनेगी जो मुफ्त बिजली, पानी और विश्वस्तरीय शिक्षा देगी और महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये देगी। हम ऐसी सरकार देंगे जो हरियाणा को अपराध मुक्त करेगी, जिसमें व्यापारी खुशहाल होंगे। वहीं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा में पिछले दस साल से बीजेपी का कुशासन चल रहा है। आम आदमी पार्टी हरियाणा समेत पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के ख़िलाफ़ लड़ रही है। हम बीजेपी को हराने के मक़सद से हरियाणा में विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। हम 90 की 90 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

अब कानूनी रूप से होगा बाल संरक्षण!

> “ बच्चों के इन्हीं हितों को संरक्षित करने के उद्देश्य से देश की शीर्ष अदालत चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ा एक अहम दिया है जिसमें उसने कहा है कि इस तरह के वीडियो डाउनलोड करना ही अपराध है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि, चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े फोटो-वीडियो को स्टोर करना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध है।

छोटे बच्चों को सामाजिक बुराईयों से बचाना जरूरी। जहां बाल संरक्षण करना सरकारों का दायित्व है वहीं समाज व परिवारों को भी इसओर अपननी भूमिका पर ध्यान देना होगा। बच्चों के इन्हीं हितों को संरक्षित करने के उद्देश्य से देश की शीर्ष अदालत चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ा एक अहम दिया है जिसमें उसने कहा है कि इस तरह के वीडियो डाउनलोड करना ही अपराध है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि, चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े फोटो-वीडियो को स्टोर करना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने संसद को पॉक्सो अधिनियम में संशोधन के लिए कानून लाने का सुझाव दिया। जिसमें चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द को चाइल्ड यौन शोषण और अपमानजनक सामग्री से बदल दिया जाए।

वहीं सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है। जिसमें कहा गया था कि केवल बाल पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत अपराध नहीं है। जिसके बाद मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दो याचिकाकर्ता संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का की दलीलों पर ध्यान दिया था कि हाईकोर्ट का फैसला इस संबंध में कानूनों के विपरीत था। वरिष्ठ वकील फरीदाबाद स्थित गैर सरकारी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस और नई दिल्ली स्थित बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से अदालत में पेश हुए। संस्थाएं बच्चों के कल्याण के लिए काम करती हैं। दरअसल शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले के अत्याचारपूर्ण बताते हुए उसे चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि बाल पोर्नोग्राफी को डाउनलोड करना और देखना यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पॉक्सो) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट ने 11 जनवरी के अपने फैसले में 28 साल के व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी रद्द कर दी थी, जिसके खिलाफ अपने मोबाइल पर बाल पोर्नोग्राफी सामग्री को डाउनलोड करने का आरोप था। मद्रास हाईकोर्ट ने एस हरीश के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम, 2012 और आईटी अधिनियम, 2000 के तहत आपराधिक मामला रद्द कर दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67 बी के तहत अपराध गठित करने के लिए, एक आरोपी को यौन-स्पष्ट कार्य या आचरण में बच्चों को चित्रित करने वाली सामग्री प्रकाशित, प्रसारित या बनाई जानी चाहिए, यह कहा गया था। कुल मिलाकर कानूनी रूप से यह एक उम्दा निर्णय है। पर अदालतों के साथ समाज व परिवारों को भी ध्यान देना होगा कि उनके पास भी ऐसे उपकरण न हो जिससे की बच्चों के ऊपर गलत प्रभाव न पड़े।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टूटता यमुना को स्वच्छ बनाने का सपना

ज्ञानेन्द्र रावत

आज यमुना की स्थिति की किसी को चिंता नहीं है— न आम आदमी पार्टी, न भाजपा, और न ही कांग्रेस को। सभी दल हरियाणा चुनाव में सत्ता हासिल करने की दौड़ में लगे हैं, लेकिन यमुना के प्रदूषण पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह जहरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे। लेकिन उनकी यह घोषणा अब तक केवल एक वादा ही साबित हुई है। पांच वर्षों के बाद भी यमुना की स्थिति पहले से अधिक खराब है, और यह अपने उद्धारक की प्रतीक्षा कर रही है। बीते दशकों का इतिहास बताता है कि यमुना हर साल अधिक प्रदूषित होती गई है, और अब इसका जल गंभीर जानलेवा बीमारियों का कारण बन चुका है। बारिश के मौसम को छोड़ दें, तो दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, यमुना के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकंड क्यूमैक्स कम है। यह जल प्रवाह न तो स्नान योग्य है और न ही नदी की पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त। दीगर बात है कि जल संसाधन संबंधी एक संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की थी कि दिल्ली में यमुना के 22 किलोमीटर लंबे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सेकंड का ई-फ्लो रखा जाए। हालांकि, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) का कहना है कि 23 क्यूमैक्स का ई-फ्लो जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) को 12 मिलीग्राम प्रति लीटर तक घटा देगा। बीओडी वह ऑक्सीजन है जिसे सूक्ष्मजीव कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए उपयोग करते हैं।

यह जानना जरूरी है कि यमुना के दिल्ली में पड़ने वाले हिस्से के लिए लगभग 80 प्रतिशत प्रदूषण जिम्मेदार है। ई-फ्लो जल प्रवाह की वह न्यूनतम मात्रा है, जो नदी या जलाशय की

पारिस्थितिकी को बनाए रखने और उसे स्नान योग्य बनाने के लिए आवश्यक है। हकीकत यह है कि आमतौर पर हरियाणा के यमुना नगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से मात्र 10 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जाता है। जबकि 23 क्यूमैक्स पानी यानी 43.7 करोड़ गैलन रोजाना अक्टूबर से जून के महीने के दौरान नदी में छोड़ा जाना चाहिए। यह सिफारिश राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की ने 2019 में ही कर दी थी। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना पर तैयार रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है, जो जानलेवा बीमारियों का कारण बन रहे हैं। समिति ने न केवल यमुना में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फीकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषक तत्वों की सूची तैयार की है, बल्कि लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक छह धातुओं से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी है। यह रिपोर्ट यमुना के संकट को उजागर करती है और उसके प्रदूषण की गंभीरता को रेखांकित करती है। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने के लिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का प्रभावी ट्रीटमेंट करने की आवश्यकता बताई है। इसके अनुसार, झाग का मुख्य कारण बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज में सर्फेक्टेंट्स और फास्फेट की मौजूदगी है, जो त्वचा रोग और संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। समिति ने सुझाव दिया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) की तकनीक को उन्नत किया जाए, उनकी क्षमता बढ़ाई जाए, और सभी उद्योगों को साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जोड़ा जाए। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन विभाग से यह भी कहा गया है कि ऐसे नियम और दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं, जिसमें यमुना सहित सभी नदियों में अपशिष्ट प्रवाहित करने पर दंडात्मक प्रावधान हों।

समिति ने पर्यावरण मंत्रालय की आलोचना की है कि उसने 2018 में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई में देरी की। जल संसाधन विभाग को यमुना के लिए स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष स्थापित करने का सुझाव दिया गया है, ताकि सफाई के लिए फंड की कमी न हो। हालांकि, पिछले दो दशकों में करोड़ों रुपये यमुना की सफाई पर खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके अमोनिया और बीओडी स्तर में कमी नहीं आई है। यमुना पहले से 20 गुना अधिक प्रदूषित हो चुकी है। आज यमुना बदहाली में जीने को विवश है।

यौन हिंसा की सोच के खिलाफ चले मुहिम

अविजीत पाठक

एक महीने से अधिक हो चला जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी। इस किस्म के जघन्य कांड ने , वह भी एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के अंदर, कोलकाता शहर या यूं कहें कि संपूर्ण पश्चिम बंगाल को झकझोर कर रख दिया। कोई हैरानी नहीं कि युवा डॉक्टर, छात्र, आम महिला-पुरुष और सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग, इनके स्वत: स्फूर्त सामाजिक आंदोलन ने काफी 'लोकप्रिय' रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हिलाकर रख दिया है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आरोपियों की राजनीतिक पहुंच की कहानियां, प्रशिक्षु डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को खतरे का मुद्दा उजागर हुआ। बात जब निष्पक्ष जांच की आई तो राज्य सरकार पर भरोसे की कमी देखी गई। मुख्यमंत्री के लिए इस 'वैधता संकट' से उबरना आसान नहीं होगा।

हमने इस आंदोलन के सकारात्मक पहलुओं पर भी गौर किया है – प्रशिक्षु डॉक्टरों का अपनी समस्याओं के लिए लड़ने पर दृढ़ निश्चयी होकर डटे रहना और विरोध करने का उत्सव सरीखा स्वरूप, जिसमें आम नागरिक सड़कों पर उतर रहे थे, देर रात तक सार्वजनिक स्थानों पर जमे रहकर 'न्याय' के गीत गा रहे थे। इसके अलावा, इस जनांदोलन को मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के सीधे प्रभाव से बचाने का प्रयास संभवत: दर्शाता है कि 'राजनीति' विशेषकर, जिस किस्म की पेशेवर राजनेता कर रहे हैं, इसने हमारे वक्त में अपने लिए एक बुरा अर्थ अर्जित कर लिया है। हालांकि, तथ्य यह भी है कि इस किस्म के आंदोलन ज्यादा लंबा खिंचते नहीं। सीबीआई अपने निष्कर्षों को उजागर करेगी, सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी, राज्य सरकार ने डॉक्टरों से समझौता किया, दोषियों को दंडित किया जाएगा, और कुछ –जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं- अपराधी को मृत्युदंड देने का शोर मचाएंगे।

फिर, सब कुछ पहले की भांति 'सामान्य' हो जाएगा! संभवत:, जो युवा डॉक्टर जो आज विरोध कर रहे थे, इनमें कुछ ऐसे होंगे जो 'सांसारिक' चीजों को अधिक प्राथमिकता देना शुरू कर देंगे, और आखिरकार किसी कॉर्पोरेट या निजी अस्पतालों का हिस्सा बनकर अपने अमीर ग्राहकों को एक वस्तु के रूप में 'अच्छा स्वास्थ्य' बेचते नजर आयेंगे। और कोलकाता की गलियों में मुक्ति के गीत गाने वाला सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग भी अपने अनन्य कार्यक्षेत्रों में वापस रम जाएगा। इस बीच, हम बलात्कार की एक और कहानी के बारे में सुनेंगे, मत भूलें कि हमने अपने समाज में यौन हिंसा को लगभग रोजाना की सामान्य घटना बना डाला है। वार्षिक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच, भारत में कुल 1.89 लाख बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। लेकिन वर्गों में बंटे और जाति-केंद्रित समाज से पीड़िता की परवाह की आस कौन करे, विशेष तौर पर यदि वह महिला एक वंचित समाज से, कोई घरेलू सहायिका या फिर किसी गुमनाम गांव की स्कूली छात्रा हो। तब कोई सामाजिक आंदोलन नहीं होगा, न ही कोई कोलकाता या दिल्ली की गलियों में लैंगिक न्याय के गीत गाएगा।

वास्तव में यदि हम इस सड़ांध का विरोध और यौन हिंसा के वायरस से यथोचित रूप से मुक्ति हेतु एक समझदार समाज की ओर बढ़ने की कोशिश करना चाहते हैं, तो हमें 'विषाक्त मर्दानगी' नामक विकृति का मुकाबला करने के लिए एक और आंदोलन में हिस्सा लेने की जरूरत होगी- मानसिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक। खैर, हमारे परिवारों में, लड़के इस मान्यता के साथ बड़े होते हैं कि उन्हें दबंग, सख्त और बहादुर होना चाहिए। हालांकि, 'विषाक्त मर्दानगी' का जीवन को पुष्टि देने वाले गुण जैसे कि साहस, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बजाय, यह दूसरों को नुकसान पहुंचाने में परपीड़क आनंद पाने वाली है। जिसमें सहानुभूति और देखभाल नदारद हैं। यह हिंसा का महिमामंडन करती है और यौन आक्रामकता को बढ़ावा देती है। जैसा कि सामाजिक मनोवैज्ञानिक समझाते हैं, यह 'सामाजिक रूप से प्रतिगामी मर्दानगी का स्वरूप' है जिससे ग्रस्त व्यक्ति दूसरे पर हावी होने की ललक, स्त्री-सम्मान का जरा मोलन समझना, समलैंगिकता-विरोध और बेतहाशा हिंसा का चाव रखता है।

'विषाक्त पुरुषत्व' के जहर के बिना बलात्कार की कल्पना तक करना मुश्किल है- महिला को महज एक वस्तु के रूप में लेने का अंतिम तरीका या यौन सुख की खातिर एक निष्प्राण खिलौने में बदलना। यहां यह समझना महत्वपूर्ण है कि 'विषाक्त पुरुषत्व' के मनोविज्ञान को अक्सर युद्ध, सैन्यवाद, अति-राष्ट्रवाद, अश्लील स्वरूप वाले प्रतिस्पर्धी 'मर्दाना' खेल और विभाजनकारी सांप्रदायिकता में आनंद बनाने के माध्यम से उभारा एवं प्रोत्साहित किया जाता है। हां, यह भी एक तथ्य है कि संपूर्ण इतिहास में अक्सर यौन हिंसा का उपयोग दुश्मन के लोगों को अपमानित करने, वश में लाने और आतंकित करने के लिए एक हथियार के रूप में बरतने का वर्णन है। उदाहरणार्थ, जैसा कि कई शोधों का भी निष्कर्ष है, बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा 200,000 से 400,000 स्थानीय महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया गया था। भारत-पाक विभाजन और उसके परिणामस्वरूप सांप्रदायिक घृणा पर एक गहरी नजर डालने से पता चलता है कि सीमा के दोनों ओर महिलाओं का यौन उत्पीड़न हुआ था।

भरवां लौकी

भरवां लौकी बनाने के लिए इसमें भरने के लिए मसाले वाले आलू तैयार करें। आप चाहें तो इसमें आलू की जगह पनीर भी भर सकते है। पनीर से इसका स्वाद कई गुना बढ़ सकता है। जरूरी नहीं कि इसके साथ ग्रेवी भी परोसें, ये ऐसे भी खाने में स्वादिष्ट लगती है। भरवां लौकी एक ऐसी सब्जी है जिसे लंच या डिनर में कभी भी बनाकर खाया जा सकता है। भरवां लौकी स्वाद के साथ ही पौष्टिकता भी लिए होती है।

लौकी का रायता

लौकी पेट के लिए काफी फायदेमंद होती है और लौकी का रायता डाइजेशन को दुरुस्त करने वाला होता है। लौकी का रायात एसिडिटी की समस्या दूर करने में मददगार होता है, रायता बनाने के लिए साधारण तरीका होता है। बस इसे लौकी को दही में उबाल कर डालें, ताकि ये कच्ची न लगे। लौकी के रायते में जीरे और लाल सूखी मिर्च का तड़का अवश्य लगाएं। इस से रायते का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके ऊपर से धनिया पत्ती जरूर डालें।

लौकी के कोफ्ते

अगर आप बच्चों को या घर के उन सदस्यों को लौकी खिलाना चाहते हैं जिन्हें ये पसंद नहीं तो आज आप डिनर में लौकी के कोफ्ते बना सकते हैं. यकीनन वो इस डिश को मांग-मांग कर खाएंगे। ये सब्जी तो हर किसी ने खाई होगी। लौकी के कोफ्ते पराठे और चावल दोनों के साथ खाए जाते हैं। हर किसी को इसका स्वाद काफी पसंद होता है। ऐसे में आप भी बिना सोचे आसान विधि से लौकी के कोफ्ते बना सकती हैं।

लौकी से बने ये पकवान बच्चों को खिलाएं

लौकी का पराठा

आपने आलू का, पनीर का, सतू का पराठा तो खाया ही होगा, पर क्या आपने लौकी का पराठा खाया है। ये भी खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इससे बनाने के लिए लौकी को घिसने के बाद हल्का सा उबाल लें और फिर इसे आटे के साथ गूंथ लें। इस पराठे को आप दही और चटनी के साथ खा सकते हैं।

लौकी का हलवा

लौकी से मिठाई भी बन सकती है। खासतौर पर अगर आप लौकी का हलवा बनाएंगी, तो ये हर कोई काफी मन से खाएगा। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। अगर हलवे का स्वाद बढ़ाना चाहती हैं तो इसमें मेवा हल्का भून कर डालें। इससे स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। ज्यादातर बच्चे लौकी खाना पसंद नहीं करते हैं। लेकिन लौकी का हलवा काफी चाव से खाते हैं। ऐसे में लौकी में मौजूद ढेरों पौष्टिक तत्व उन्हें नहीं मिल पाते हैं।

बारिश और गर्मी के मौसम में खाने के ज्यादा विकल्प नहीं रहते। जिस तरह से सर्दी के मौसम में गाजर, पालक, मूली, मटर, गोभी जैसी सब्जियां बाजार में उपलब्ध रहती हैं, उस तरह से गर्मी में आपको सिर्फ लौकी, तोरई, भिंडी जैसी गिनी-चुनी सब्जियां ही देखने को मिलती हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी उन महिलाओं के सामने आ खड़ी होती है, जिनके घरों में बच्चे रहते हैं। बच्चों के खाने को लेकर काफी नखरे रहते हैं। उन्हें हर रोज लौकी खिलाना आसान नहीं होता। अगर आपके घर का बच्चा भी लौकी खाने से कतराता है तो उसके लिए लौकी से ही खास अलग तरह के पकवान बनाएं। लौकी की साधारण सब्जी के अलावा इन पकवानों को बनाकर आप अपने घर के बड़ों के साथ-साथ बच्चों का मन भी खुश कर सकती हैं।

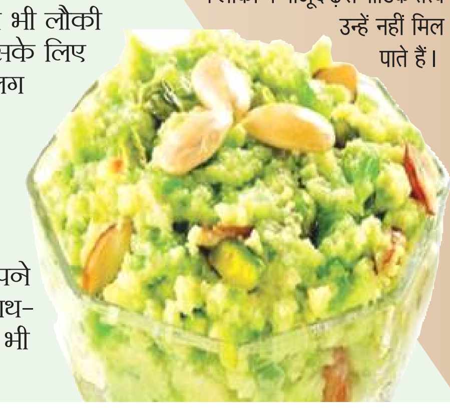

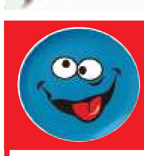

हंसना मना है

लड़का आधा किलो जलेबी खाके बिना पैसे दिए जाने लगा, दुकानदार : ओ भाई पैसे? लड़का : नहीं हैं! दुकानदार ने उसे कूट दिया? वो उठकर कपड़े झाड़ते हुए बोला.. भैया इसी भाव में एक किलो और तौल दो?

मम्मी (अपने बेटे से गुस्से में) : नालायक कहीं का, तू बाल क्यूं नहीं कटवाता? लड़का : क्या दिक्कत है मां, ये आजकल का फैशन है। मम्मी : (गुस्से में तमतमाते हुए) आग लगे इस फैशन को, लड़के वाले तेरी बहन को देखने आये थे तुझे पसंद करके चले गए।

दूल्हा : पंडितजी ! पत्नी को दायीं तरफ बैठाना है या बांयी तरफ? पंडित : देख लो, जैसा ठीक लगे बाद में तो सर पर ही बैठेगी !

लड़का : कहां जा रही हो? लड़की : आत्महत्या करने? लड़का : तो इतना मेकअप क्यों किया हुआ है? लड़की : अबे गधे ! कल न्यूज पेपर में फोटो आएगी न।

बैंक मैनेजर-'तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया।' अकाउन्ट होल्डर-'आपको कैसे पता चला?' मैनेजर-'आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।'

कहानी | अपने रूप, रंग या गुण पर घमंड ना करें

एक बार दांत और जीभ में भयंकर युद्व छिड़ गया। दांत ने जीभ से कहा- अरे! तुम सिर्फ मांस के लोथड़े हो। तुममें तो कोई भी खुबी नहीं है। न ही तुम्हारा कोई रूप है और न ही कोई रंग। हमारे सभी दांत को देख रहे हो कैसे मोतियों की भांति चमक रहे हैं। जीभ बेचारी ने कुछ भी नहीं कहा और वह चुप रही। दांत फिर बोला, अरे, तुम चुप क्यों हो! हमसे डर रही हो क्या? हम हैं ही इतने सुंदर तुम हमसे जलोगी ही ना और हम हैं इतने मजबुत कि डर तो तुम्हें आयेगी ही... जीभ, बातों को अनसुना करते हुये चुप रही। दिन बीतते गये, देखते ही देखते कई माह और वर्ष बीत गये। अब उम्र के साथ-साथ, एक-एक दांत गिरते गये लेकिन जीभ वहीं ज्यों की त्यों बनी रही। अब कुछ बचे हुए दांत जब गिरने को हूये, तब जीभ ने दांत से कहा- भैया बहुत दिन पहले आपने मुझसे कुछ कहा था। आज उन सबका उत्तर दे रही हूं। इंसान के मुंह में आप सब दांत मुझसे बहूत बाद में आये हैं। मै तो जन्म के साथ ही पैदा हूई हूं। अब आयु में भी तुम मुझसे छोटे हो लेकिन छोटे होने के बावजुद भी एक-एक करके तुम सब मुझसे पहले विदा हो रहे हो! इसका कारण पता है? दांत ने विनम्र भाव से बोला- दीदी अब तक तो नहीं समझते थे पर अब बात समझ में आ गई। तुम कोमल और मुलायम हो और हम कठोर हैं। कठोर होने का दंड ही हमें मिला है। **शिक्षा-** मित्रों आप सब भी कोमल बनिये। कोमल से तात्पर्य है आपका व्यवहार रूखा न हो। आपके कार्य दुसरों को सुख ही प्रदान करें। जो इंसान जीभ के समान कोमल होता है, जिसकी वाणी मीठी होती है और जिसका व्यवहार कोमल तथा मिलनसार होता है उसे सभी पसंद करते हैं और उसे कभी भी कोई छोड़ना नहीं चाहता। अपने रूप रंग या किसी भी गुण के दम पर कभी भी घमंड ना करें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – आज भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। अचानक धन लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। कामकाज की बाधाएं दूर होंगी।

वृषभ – आज स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन – पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क – यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह – पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। खानपान का ध्यान रखें।

कन्या – नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं।

तुला – कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

वृश्चिक – व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

धनु – आज मान-सम्मान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी।

मकर – पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। यात्रा आज न करें।

कुम्भ – व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। नौकरी में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन – आज परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

बॉलीवुड | मन की बात

अगर मैं आमिर का बेटा न होता तो न मिलती महाराज : जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फिल्म महाराज के साथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की। हालांकि फिल्म बिना किसी प्रचार के रिलीज हुई, लेकिन टीम ने फिल्म के रिलीज होने के बाद इसके बारे में बात करना शुरू कर दिया था। अब हाल ही में, इस बात को स्वीकार किया कि फिल्म महाराज उन्हें अपने पिता की वजह से ही मिली है। बॉलीवुड में जब स्टारकिड्स अपने संघर्ष की बात कर रहे होते हैं तो दर्शक उनका मजाक बनाते हैं। हालांकि, कुछ स्टार किड्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि उनकी सफलता का श्रेय उनके माता-पिता को भी जाता है। अब इसी क्रम में जब आमिर खान के बेटे जुनैद खान की बात आती है, तो वह अपने ईमानदार बयानों से सभी को चौंका देने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में, एनडीटीवी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, अभिनेता ने अपने ऑडिशन के सफर के बारे में बात की और इस बात को स्वीकार किया कि अगर वह आमिर के बेटे नहीं होते, तो उनका पहला ओटीटी प्रोजेक्ट उनके हाथ से निकल जाता। जुनैद ने कहा, मैं यह भी स्वीकार करूंगा कि अगर मैं आमिर खान का बेटा नहीं होता तो शायद मुझे महाराज नहीं मिलती। जुनैद की इस ईमानदारी ने उन्हें एक बार फिर दर्शकों का विश्वास, प्यार और सम्मान हासिल करने में मदद की। सोशल मीडिया पर सभी अभिनेता की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। जुनैद ने यह भी बताया कि शुरुआत में उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स के लिए ऑडिशन दिया, लेकिन कुछ भी फाइनल तक नहीं पहुंचा। उन्होंने लाल सिंह चड्ढा के लिए भी ऑडिशन दिया और उनके पिता आमिर ने उनकी काफी तारीफ की, लेकिन नए चेहरे के साथ बड़े बजट की फिल्म करने के रिस्क के कारण ऐसा नहीं हो सका।

काश हेमा मेरी मां होतीं : ट्विंकल

बोलीं- सालों वॉटर प्यूरीफायर का समर्थन करने के बाद अब वह नदियों को साफ रखने का दे रहीं हैं संदेश

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और लेखिका ट्विंकल खन्ना अक्सर सुर्खियों में बनी रहती है। वे सोशल मीडिया पर बड़ी बेबाकी से अपनी बातों को रखती नजर आती हैं। अब हाल ही में, ट्विंकल खन्ना ने कहा कि अगर हेमा मालिनी उनकी मां होतीं, तो वे साफ पानी के विषय पर चर्चा कर सकती थीं और उन्हें आजीवन मुफ्त प्यूरीफायर सप्लाई होता। ट्विंकल ने कहा कि हाल ही में उनके वॉटर प्यूरीफायर फिल्टर से टपकता पानी उन्हें ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी की याद दिलाता है। उन्होंने लिखा, देश में कोई भी हेमा जी से ज्यादा भारत को साफ पानी देने में दिलचस्पी नहीं रखता है। सालों तक वॉटर प्यूरीफायर का समर्थन करने के बाद, अब उन्होंने हमारी नदियों को साफ रखने का संदेश फैलाने के लिए गंगा के किनारे एक डांस भी परफॉर्म किया था। अभिनेत्री ने आगे लिखा, लेकिन क्या हमारे नागरिक उनकी अपील सुनेंगे, या यह ऐसा होगा कि आप घोड़े को जल तक तो ले जा सकते हैं, लेकिन उसे पिला नहीं सकते? इसके बाद ट्विंकल ने लिखा कि उन्होंने हाल ही में अपनी मां-अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया को उन चीजों के बारे में बताया, जो उन्हें काफी परेशान करता है। जैसे कि लोग सड़कों पर कूड़ा फेंकने से पहले दो बार नहीं सोचते या फिर लोग सड़कों के कोनों पर पान थूकने से पहले भी नहीं सोचते हैं। ट्विंकल ने लिखा, यह पहली बार नहीं है जब मैंने चाहा है कि काश हेमा मालिनी मेरी मां होतीं। न केवल हम साफ पानी के बारे में आराम से चर्चा कर सकते थे, बल्कि मुझे जीवन भर के लिए फ्री वाटर प्यूरीफायर भी मिल सकता था।

आप जो चाहते हैं वह सब कुछ नहीं पा सकते : करण जौहर

इस वक्त पूरे देश में कोल्ड प्ले को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। यह एक ब्रिटिश ऑल्टर्नेटिव रॉक बैंड है, जिसे गायक क्रिस मार्टिन और गिटार वादक जॉनी बकलैंड ने साल 1996 में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में गठित किया गया था। इस वक्त ये बैंड लगातार सुर्खियां बटोर रहा है, क्योंकि साल 2025 दौरे के लिए उनके टिकट की बिक्री शुरू हुई, जो पलक झपकते ही बिक गईं। सोशल मीडिया पर टिकट पाने और न पाने वालों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। इनमें अब हिंदी फिल्मों के मशहूर निर्माता और निर्देशक करण जौहर भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा आप वह सब कुछ नहीं पा सकते, जो आप चाहते हैं। करण जौहर आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा को कई शानदार और यादगार फिल्में दी हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है, जिसमें उन्होंने कोल्डप्ले की टिकट के प्रति क्रेज का जिक्र किया है। उन्होंने अपने पोस्ट के माध्यम से यह जताने की कोशिश की तमाम सुविधाओं और तमाम विशेष अधिकारों के बावजूद भी कुछ चीजें हैं, जो उनकी पहुंच से भी बाहर हैं। उन्होंने लिखा, प्रिय प्रिविलेज, मुझे यह पसंद आता है कि कोल्डप्ले और मिनी केली हमेशा आपको जमीन से जोड़े रखते हैं। आप हमेशा वह सब कुछ नहीं पा सकते जो आप चाहते हैं। बताते चलें कि कोल्ड प्ले साल 2025 में अपने म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स टूर के दौरान भारत में भी प्रदर्शन करेगा। ये लोकप्रिय बैंड 18, 19 और 21 जनवरी को डीवीआई पाटिल स्टेडियम में प्रदर्शन करेगा। इसे लेकर देश भर में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, करण जौहर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जिगरा को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म से वह बतौर निर्माता जुड़े हैं। फिल्म इस साल 11 अक्तूबर को रिलीज होगी। फिल्म में आलिया भट्ट और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल में ही कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दिग्गज फिल्म निर्माता करण जौहर अब अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। वह नेटफ्लिक्स के लिए एक बड़े बजट की वेब सीरीज बना रहे हैं। इसके लेकर कहा जा रहा है कि कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और कई मशहूर कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश की जा रही है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति का अनूठा संगम है ये शहर

ऑउटडोर रोमांच और मंदिरों का है स्वर्ग

नागानो, जापानी आल्प्स के दिल में बसा एक खूबसूरत शहर है। नागानो अपने आश्चर्यजनक नजारों, शांत गर्म झरनों और विश्व स्तरीय स्कीइंग के लिए जाना जाता है। मंदिरों, तीर्थस्थलों और ऐतिहासिक स्थलों के साथ, यह शहर जापानी संस्कृति और विरासत का खजाना है। नागानो केवल परंपराओं में डूबा हुआ शहर नहीं है, यह तकनीकी नवाचार और आर्थिक विकास का केंद्र भी है। इसके आसपास खूबसूरत कदरती नजारों के भरमार है। शहर जापानी आल्प्स पर्वतों के दिल की तरह है, जहां के भूभागों के शानदार नजारे, शांत झीलें, जादुई पर्वतीय चोटियां, हरे भरे जंगल दिखाई देते हैं। यहां के कुदरती गर्म झरनों को ओन्सेन्स कहा जाता है जिनके खनिजों से भरपूर पानी में स्वास्थ्य ठीक करने की क्षमताएं बताई जाती हैं। इसके अलावा नागानो चेरी ब्लॉसम देखने के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेसन है। वसंत के दौरान, शहर के पार्क और उद्यान सुंदर चेरी फूलों से सजे मिलते हैं। नागानो कुदरती खूबसूरती के अलावा सुंदर मंदिरों और मजारों के लिए भी जाना जाता है। सुंदर तोगाकुशी तीर्थस्थल से लेकर शांत जेनकोजी मंदिर तक, नागानो में वास्तुकला से समृद्ध धार्मिक विरासत को दर्शाते हैं। ज़ेनकोजी मंदिर 1400 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह जापान के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध मंदिरों में से एक है। यह पूरे देश से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। नागानो का मात्सुमोतो महल जापान के प्रमुख ऐतिहासिक महलों में से एक है।

इसे इसके काले बाहरी भाग के कारण क्रो कैसल के नाम से भी जाना जाता है। इसमें प्रभावशाली वास्तुकला और आसपास के पहाड़ों के शानदार नजारे देखने को मिलते हैं। इसके अलावा ये सिद्ध ज़ेंक-जी नेशनल ट्रेजर हॉल का घर है। इस ऐतिहासिक हॉल में प्राचीन बौद्ध प्रतिमाओं और कलाकृतियों सहित महत्वपूर्ण सांस्कृतिक अवशेष हैं जो जापान की समृद्ध धार्मिक विरासत के बारे में जानकारी देते हैं। नागानो आउटडोर एक्टिविटीज पसंद करने वालों के लिए एक स्वर्ग है। अपनी खूबसूरत पर्वत श्रृंखलाओं के साथ, नागानो लंबी वॉकिंग, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और अन्य साहसिक गतिविधियों के लिए खूब मौके देता है। नागानो ने 1998 में शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी की थी। तब खेलों ने शहर के नजारे और विश्व स्तरीय शीतकालीन खेल सुविधाओं का प्रदर्शन किया था। नागानो खाने के शौकीनों के लिए स्वर्ग है। शिंशु सोबा, ओयाकी पकौड़ी और हिदा बीफ जैसे स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों से लेकर नागानो में हर स्वाद को संतुष्ट करने के लिए कई तरह के लजीज व्यंजन मिलते हैं। यह शहर अपने बकव्हीट नूडल्स की गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है, जिसे सोबा के नाम से जाना जाता है। शहर की उपजाऊ मिट्टी बेहतरीन किस्म के सेब पैदा करती है, और पर्यटक भी ताज़े सेब चुनने, सेब पाई, सेब का रस और अन्य सेब आधारित व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। नागानो उत्सवों की संस्कृति वाला शहर है। यहां हर साल फरवरी में नागानो स्नो फेस्टिवल होता है। इसमें शानदार बर्फ की मूर्तियां, मनोरंजन और जीवंत स्ट्रीट फूड स्टॉल होते हैं।

6 साल की उम्र में हुआ किडनैप 73 साल बाद भतीजी ने खोजा

गुमशुदा लोगों के परिवार की जिंदगी का दर्द बहुत गहरा होता है। ऐसा बहुत ही कम होता है जब कोई बच्चा बचपन में खो जाए तो कुछ ही दिनों या एक दो साल में ही मिल जाए। ज्यादातर मामलों में परिवार सदस्य का इंतजार करते करते रह जाता है और बिछड़ा शख्स कभी मिलता ही नहीं है। पर एक अनूठे मामले में एक छह साल के लड़के का 73 साल बाद पता चला है, प्यूर्टो रिकान में जन्मे लुइस आर्मंडो अल्बिनो अब 79 वर्ष के हैं। वे पांच भाई-बहनों में से एक थे। उनका 21 फरवरी, 1951 को अपहरण कर लिया गया था, और तब से वे लापता हैं, जिससे उनका परिवार दुखी है। लुइस को कैलिफोर्निया के वेस्ट ओकलैंड के एक पार्क से उस समय अगवा किया गया था, जब वह अपने दस वर्षीय भाई रॉजर के साथ खेल रहे थे। जिस महिला ने उसे अगवा किया था, उसने लुइस को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई। बाद में,उसे न्यूयॉर्क के एक जोड़े ने गोद ले लिया। वहीं पुलिस, तटरक्षक और सेना के जवानों ने उसकी खोज में पूरे इलाके की तलाशी ली थी, दुर्भाग्य से, उसके अपहरण का मामला सात दशकों तक लटका रहा। अपने बेटे के इतने लंबे समय तक लापता रहने के बावजूद, लुइस की मां ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी कि वह घर लौट आएगा। 2005 में वह अपने प्यारे बेटे के बारे में जाने बिना ही चल बसी। लेकिन लुइस की भतीजी, 63 वर्षीय एलिडा एलेक्विन ने अपने लंबे समय से खोए चाचा को खोजने का मजबूत इरादा किया। एलीडा ने स्थानीय कानून प्रवर्तन की मदद ली। उन्होंने डीएनए परीक्षण और लुइस के लापता होने के बारे में पुराने अखबारों की कतरनों से मिली जानकारी का उपयोग किया। एलिडा ने अपनी बेटियों के साथ बाद में लुइस की ओकलैंड पब्लिक लाइब्रेरी में तस्वीरों की एक माइक्रोफिल्म पाई, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि वह वास्तव में उनके लंबे समय से खोए हुए चाचा थे। लुइस, जो खुद एक पिता और दादा बन गए थे, अपने बड़े भाई रॉजर से फिर से मिल पाए। लेकिन यह मिलन बहुत खुशी भरा नहीं रह पाया क्योंकि उस समय रॉजर कैंसर से मर रहे थे। एफबीआई के अनुसार अपहरण की जांच अभी भी चल रही है।

56 इंच की छाती में अब वो बात नहीं : राहुल गांधी

कश्मीर रैली में नेता प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी पर कसा तंज

» जम्मू-कश्मीर के एलजी एक राजा की तरह हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर हमला जारी है। पुंछ में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस नेता ने कहा कि साफ दिखता है कि जो पहले नरेंद्र मोदी थे, वो नरेंद्र मोदी आज नहीं बचे हैं। राहुल ने कहा कि भारत गुट जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा प्रदान करेगा। पहले लोग अपने निर्वाचित विधायकों के माध्यम से निर्णय लेते थे, लेकिन आज एक राजा (एलजी) को नियुक्त किया गया है जो एक हैं।

बाहरी व्यक्ति जो यह नहीं समझ सकता कि लोगों के दिलों में क्या है। राहुल ने आगे कहा कि विपक्ष उनसे जो भी कराना चाहता है, हम करते हैं वे एक कानून लाते हैं लेकिन जब हम उसके खिलाफ मजबूती से खड़े होते हैं तो कानून पारित नहीं होता है और वे एक नया कानून लाते हैं जो उन्हें पहले था वह अब खत्म हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में केंद्रशासित प्रदेशों को राज्य बनाया गया। राज्यों को विभाजित किया गया। मध्य प्रदेश को विभाजित करके छत्तीसगढ़ बनाया गया। बिहार को विभाजित करके झारखंड बनाया गया, और आंध्र प्रदेश को विभाजित करके तेलंगाना बनाया गया। लेकिन, कभी नहीं भारत के इतिहास में पहली बार किसी राज्य को यूटी बनाया गया है, राज्य के लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं, आपके साथ अन्याय किया गया है, आपके लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए हैं मैं चाहता हूं कि आपको जल्द से जल्द राज्य का दर्जा मिले। राहुल गांधी ने कहा कि पहले जम्मू-कश्मीर में लोग अपने चुने हुए विधायकों के माध्यम से निर्णय लेते थे, लेकिन आज एक राजा नियुक्त किया गया है। एलजी एक राजा की तरह हैं, और वह एक बाहरी व्यक्ति हैं। इसलिए वह वो नहीं कर सकते जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के दिल में है। उन्हें यह भी नहीं पता कि यह कैसे करना है।

मोदी मोदी हैं और मोदी ही रहेंगे : रामदास अठावले

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने तंज कसते हुए कहा कि उनका बयान गलत है, मोदी मोदी हैं और मोदी रहेंगे। ऐसे बयान में कोई सच्चाई नहीं है। मनोवैज्ञानिक रूप से राहुल गांधी को खत्म किया जा सकता है। लेकिन नरेंद्र मोदी एक मजबूत नेता हैं।

राहुल ने लोगों से वायनाड के पर्यटन उद्योग को पुनः पटरी पर लाने का किया आग्रह

राहुल गांधी ने लोगों से वायनाड जाने और इसकी सुंदरता का अनुभव करने का आग्रह किया ताकि हाल में भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग पुनः पटरी पर आ सके। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे वायनाड घूमने जाएं, जिससे वहां आजीविका के अवसर बढ़ सकें और इसकी जीवंतता को बहाल किया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि हाल की भूस्खलन त्रासदी से केवल मुंडक्कई क्षेत्र ही प्रभावित हुआ है, लेकिन इससे यह गलत धारणा बन गई है कि पूरा वायनाड प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पर्यटन में भारी गिरावट आई है। एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वायनाड बेहद खूबसूरत है, और इसके लोगों की करुणा व दयालुता ने हमेशा मुझे वहां खींचा है। आज, बहुत से लोग जो अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं, वे मदद के लिए आप सभी की ओर देख रहे हैं। आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि वायनाड अभी भी जीवंत और मेजबानी करने वाला क्षेत्र है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इसकी खूबसूरती का अनुभव करें और पर्यटन को पुनर्जीवित व आजीविका के अवसर बहाल करने में मदद करें।

बेरोजगारों को भाजपा ने दी तारीख पर तारीख : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

» बोले- सरकार आने पर कांग्रेस देगी नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रोजगार को लेकर भाजपा की सैनी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भाजपा ने नौकरी के नाम पर युवाओं को तारीख पर तारीख दी, जबकि कांग्रेस नियुक्ति देगी। युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां मिलेंगी। पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी पर भी हमला बोला। कहा, सैनी अपने 56 दिन के कार्यकाल के साथ-साथ मनोहरलाल के कार्यकाल का भी जिक्र करें।

हार की बौखलाहट में भाजपा सिर्फ झूठ का सहारा ले रही है। बेरोजगारों को बरगलाने के लिए अब 25 हजार नौकरी देने की बात भाजपाई कर रहे हैं। पांच साल सरकार भर्तियों को खुद लटकाती रही। कभी पेपर लीक, कभी सीईटी, कभी सीईटी के सिर्फ 4 गुणा तो कभी सामाजिक-आर्थिक अंकों के फेर में युवाओं को उलझाए रखा। कहा, भाजपा के पास गिनवाने लायक पूर्व का कोई काम नहीं है और न ही भविष्य का कोई रोडमैप। इसीलिए भाजपा ने कांग्रेस की गारंटियों को कॉपी कर अपना घोषणापत्र तैयार किया है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी हरियाणा सरकार पर तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि बड़ी संख्या में युवा बेहतर रोजगार और अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं। भाजपा सरकार के 10 वर्षों के शासन में रोजगार के अवसरों की कमी के चलते यह स्थिति और गंभीर हो गई है।

जल्द किया जाएगा कैबिनेट में फेरबदल : सीएम स्टालिन

» उदयनिधि के उपमुख्यमंत्री बनाये जाने के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति और संभावित कैबिनेट फेरबदल की अटकलों को लेकर बड़ा संकेत दिया है। स्टालिन ने कहा कि कोई निराशा नहीं होगी, बदलाव होगा। स्टालिन की यह टिप्पणी उनके कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में कई विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और निरीक्षण करते समय आई। मुख्यमंत्री की उनके गृह निर्वाचन क्षेत्र कोलाथुर की यात्रा ने स्थानीय विकास पर उनके ध्यान को रेखांकित किया, स्टालिन ने टिप्पणी की, मैं सही समय पर यहां आऊंगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी सरकार मानसून की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। इससे पहले, युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में उनके संभावित उत्थान की अफवाहों को खारिज कर दिया और उन्हें निराधार बताया। उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे सीएम से पूछें क्योंकि फैसला उनके हाथ में है। हालांकि, जब से सीएम स्टालिन ने अपनी हालिया अमेरिका यात्रा से पहले पदोन्नति की संभावना का संकेत दिया है तब से अटकलें तेज हो गई हैं।

परिवार के रूप में हम साथ-साथ हैं : पवार

» अजित पवार को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा कि वह और उनके भतीजे अजित पवार परिवार के रूप में साथ-साथ हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अजित एक अलग राजनीतिक दल का नेतृत्व कर रहे हैं। शरद पवार ने तटीय कोंकण क्षेत्र के चिपलून में कहा, घरत तारि एकत्र आहेत (कम से कम घर में हम एक साथ हैं)। वह राज्य के विभिन्न वर्गों की इस मांग से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि चाचा-भतीजे की जोड़ी को एक बार फिर साथ आना चाहिए।

अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत की थी तथा एकनाथ शिंदे नीत महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल हो

गए थे। हाल के समय में उनके सत्तारूढ़ गठबंधन में बने रहने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। अजित पवार की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि उनका अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती में चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ाने का फैसला गलत था। शरद पवार ने कहा, वह एक अलग पार्टी में हैं। हम किसी अन्य पार्टी के फैसलों पर टिप्पणी क्यों करें? विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के मुख्यमंत्री पद के चेहरे से जुड़े सवाल पर शरद पवार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिलहाल यह कोई जरूरी मुद्दा है।

किसी अन्य पार्टी के फैसलों पर टिप्पणी नहीं

एमवीए महाराष्ट्र में एक प्रगतिशील सरकार देगी

एमवीए में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार (राकांपा-एसपी), कांग्रेस और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) शामिल हैं। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि आपातकाल के बाद जब चुनाव हुए तो मतदान से पहले प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में मोरारजी देसाई के नाम का खुलासा नही किया गया था। उन्होंने कहा, हमारा (एमवीए का) प्रयास समाजवादी पार्टी (सपा) और पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी जैसी अन्य पार्टियो की मदद से महाराष्ट्र में एक प्रगतिशील सरकार का विकल्प देना है। शरद पवार ने कहा, हमने महसूस किया है कि महाराष्ट्र के लोगों ने आगामी चुनाव में हमें (एमवीए) मौका देने का मन बना लिया है।

'हेमंत चला रहे जुर्म, हत्या और माफिया की सरकार'

» शिवराज बोले- भाजपा की सरकार बनाइये धरती-बेटी रहेगी सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। केंद्रीय कृषि मंत्री मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड की झामुमो व हेमंत सोरेन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सोरेन राज्य में जुर्म, हत्या व माफिया की सरकार चला रहे हैं। बहरागोड़ा में केंद्रीय मंत्री की जनसभा की। जनसभा में आई भीड़ को देखकर गदगद दिखे शिवराज सिंह चौहान ने कहा, बादल बरस रहे हैं, बिजली चमक रही है और भारी बारिश हो रही है, लेकिन फिर भी आप बदलाव लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

यह देखकर, आज मैं कह सकता हूं कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा और बदलाव इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जैसे बादल संकट बनकर आए हैं, हेमंत सोरेन सरकार इन बादलों से भी बड़ा संकट है, यह झामुमो नहीं बल्कि हेमंत सोरेन की तरफ से चलाई जा रही जुर्म, हत्या और माफिया सरकार है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, कि मैं प्रधानमंत्री की ओर से झारखंड की महिलाओं से वादा करता हूं - झारखंड में भाजपा की सरकार बनाइए और यहां की धरती सुरक्षित रहेगी और यहां की बेटियां भी सुरक्षित रहेंगी।

धर्म के नाम पर भाषण देने पर रोक लगे : सुप्रियो

पार्टी की प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान धर्म के नाम पर भाषण देने से रोकने का भी आग्रह किया। झामुमो के प्रतिनिधि ने कहा, भाजपा के नेता धर्म और जाति के नाम पर भाषण देते हैं, जिसके कारण समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मतभेद पैदा हो रहा है। यह सुनीश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण न हो और लोग बिना किसी डर के मतदान कर सकें। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान चुनाव आयोग की टीम राजनीतिक पार्टियों, प्रवर्तन एजेंसियों और सरकारी अधिकारियों के साथ कई बैठकें करेगी।

चुनाव आयोग दिसंबर में कराए विस चुनाव : झामुमो

झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने चुनाव आयोग से दिसंबर के पहले हफ्ते तक विधानसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया को समाप्त करने का आग्रह किया। आज मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयोग की एक टीम रांची पहुंची। वे यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आए हैं। इस दौरे के दौरान टीम ने विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। झामुमो के प्रतिनिधि सुदिव्य कुमार और केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग के समक्ष पार्टी की बातें रखीं।

तुच्छ विषयों पर रिपोर्ट मांग रहे हैं राज्यपाल : सिद्धारमैया

» बोले- पत्र लिखने पर गौर कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत 'तुच्छ विषयों' पर रिपोर्ट मांगने के लिए पत्र लिख रहे हैं और राज्य सरकार इसकी जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने कथित आर्कावती लेआउट घोटाले पर न्यायमूर्ति एच एस केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट के संबंध में पूर्ववर्ती सरकार की कथित निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए भाजपा पर पलटवार किया तथा कहा कि उनकी सरकार इस संबंध में विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के बाद रिपोर्ट पर निर्णय लेगी।

राज्यपाल ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर कथित अर्कावती लेआउट घोटाले में केम्पन्ना आयोग की रिपोर्ट की एक प्रति और अन्य संबंधित जानकारी मांगी है। इस कथित घोटाले में सिद्धारमैया के पिछले कार्यकाल के दौरान भूमि को गैर-अधिसूचित करने का आरोप है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि क्या आप जानते हैं कि अब क्या हुआ है? इस पर केशवनारायण की अध्यक्षता वाली एक समिति गठित थी, इन सभी चीजों पर गौर करने की जरूरत है। इस पर गौर करने के बाद हम फैसला लेंगे।'' सी. टी. रवि ने हाल ही में राज्यपाल को पत्र लिखकर सिद्धारमैया से न्यायमूर्ति केम्पन्ना की रिपोर्ट सार्वजनिक करने को कहा था। न्यायमूर्ति केम्पन्ना आयोग का गठन 2014 में बतौर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पहले कार्यकाल के दौरान किया गया था। आयोग की रिपोर्ट 2017 में प्रस्तुत की गई थी, उस समय भी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ही थे, लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया था। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार राज्यपाल के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत करने पर विचार कर रही है, मुख्यमंत्री ने कहा कि नहीं, हम जांच कर रहे हैं। राज्यपाल (छोटे मामलों पर रिपोर्ट मांगने के लिए) पत्र लिख रहे हैं।

भाजपा चार साल तक सत्ता में रही तब क्यों नहीं मांगी रिपोर्ट

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अर्कावती लेआउट मामले के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि मुझे नहीं पता, मैं इसे देखूंगा। भाजपा चार साल तक सत्ता में रही। उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? वे सत्ता में थे, उन्होंने इसे (रिपोर्ट को) विधानसभा में क्यों नहीं पेश किया? अब सी. टी. रवि (भाजपा विधान पार्षद) ने (राज्यपाल को) एक पत्र लिखा है। वह (भाजपा सरकार में) मंत्री थे। उन्होंने तब ऐसा क्यों नहीं किया?'

कर्नाटक हाईकोर्ट से सीएम को बड़ा झटका

कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार (24 सितंबर 2024) को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की याचिका पर अपना फैसला सुनाया। अदालत ने तमाम दलीलों को सुनने के बाद सिद्धारमैया की याचिका खारिज कर दी।इस याचिका में सीएम ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण साइट आवंटन मामले में उनके खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि राज्यपाल को व्यक्तिगत शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करने की अनुमति देने का अधिकार है। बता दें कि उच्च न्यायालय ने 12 सितंबर को मामले में अपनी सुनवाई पूरी कर ली थी और अपने आदेश सुरक्षित रख लिया था। इसने बेंगलुरु की एक विशेष अदालत को आगे की कार्यवाही स्थगित करने और मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई भी जल्दबाजी में कार्रवाई न करने का निर्देश दिया था।

भाजपा ने मांगा सिद्धारमैया से सीएम पद से इस्तीफा

» घोटाले में शामिल हैं मुख्यमंत्री और उनका परिवार : शहजाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली सीएम सिद्धारमैया की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद से राज्य की सियासत तेज हो गई है। भाजपा ने इसको लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसको लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी को हमें बताना चाहिए कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पद पर बने रहना उचित है? सिद्धारमैया को पद छोड़ना होगा। उन्होंने वह जमीन लूट ली जो एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए थी। शहजाद पूनावाला ने कहा कि मुडा घोटाले में 5000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया गया।

सिद्धारमैया के परिवार और दोस्तों को फायदा हुआ। कांग्रेस पार्टी को एससी/एसटी समुदाय के लोगों की कोई परवाह नहीं है। क्या राहुल गांधी भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि हमने पहले भी स्पष्ट रूप से कहा था कि मुडा घोटाले में सीधे तौर पर सीएम शामिल थे और उनके परिवार लाभार्थी हैं। हमने भ्रष्ट मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए बेंगलुरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि मामला राज्यपाल के कार्यालय तक पहुंचा और राज्यपाल ने कागजात देखने और विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद मुकदमा चलाने की अनुमति दी। सीएम और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने राज्यपाल कार्यालय के खिलाफ कई आरोप लगाए। अब जब मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा तो आज हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि राज्यपाल की कार्रवाई कानून के मुताबिक थी। विजयेंद्र ने कहा कि फैसले से संकेत मिलता है कि सीएम और उनका परिवार घोटाले में शामिल है।

यूपी में रेस्तरां, ढाबा और होटल चलाने वालों को लिखना होगा अपना नाम

» राज्य सरकार का नया आदेश प्रतिष्ठानों की होगी गहन जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों/ ढाबों/ रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा दिये गए प्रमुख दिशा-निर्देश में कहा गया है कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं, ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं, ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते।

वाह रे रेलवे! कर्मचारियों की शर्मनाक हरकत

» गुजरात में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रमोशन के लिए गढ़ी झूठी कहानी

सूरत। तरक्की हर किसी को चाहिए, लेकिन तब क्या हो, जब तरक्की पाने की ललक इस कदर दिल-ओ-दिमाग पर हावी हो जाए कि अपनी बहादुरी की झूठी कहानी गढ़ दी जाए। ऐसा ही मामला गुजरात से भी सामने आया है। दरअसल पिछले दिनों रेल कर्मचारियों ने रेल की टूटी पटरी जोड़कर सोचा था कि अब तो उनकी खूब वाहवाही होगी। उनकी वजह से एक बड़ा हादसा जो टल गया है।

उनकी झोली में इनाम और प्रमोशन सब गिरेगा, लेकिन कुछ ऐसा हुआ नहीं। बजाय प्रमोशन और इनाम, वह जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। क्यों कि उनके कारनामे की पोल खुल चुकी है। सूरत जिले के किम के पास शनिवार को रेलवे में तोड़फोड़ की कथित घटना की जांच से पता चला कि यह एक मनगढ़ंत कहानी थी। जांच में सामने आया है कि तीन रेलवे कर्मचारियों ने ट्रैक के कुछ हिस्सों को पहले हटाया, ताकि यह लगे कि किसी ने ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की है. शातिर कर्मचारियों में इसका वीडियो बनाया और और तस्वीरें लीं। उन्होंने दुर्घटना को टालने के लिए तारीफें और इनाम मिलने के लालच मे फिश प्लेट खोले और वीडियो बनाने के बाद इनको जोड़ दिया।

बंगाल कांग्रेस से मजबूत रिश्ते चाहती है टीएमसी

» माकपा स्थिति पर रख रही है नजर, शुभंकर सरकार बने नए कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख के पद से अधीर रंजन चौधरी की विदाई के बाद सत्तारूढ़ टीएमसी कांग्रेस के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने की जुगत में है, क्योंकि कांग्रेस के नए अध्यक्ष शुभंकर सरकार ममता बनर्जी की पार्टी के प्रति उदार नजरिया रखने के लिए जाने जाते हैं जबकि माकपा घटनाक्रम पर करीब निगाह रख रही है। यह 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक परिदृश्य में अहम बदलाव ला सकता है।

रविवार को पदभार ग्रहण करने वाले सरकार ने पार्टी के चुनावी सहयोगियों, वाम मोर्चा और टीएमसी के साथ कांग्रेस के भविष्य के समीकरणों के बारे में सवालों को टाल दिया और इस बात पर जोर दिया कि उनका ध्यान संगठन को मजबूत करने पर है। तीनों दल राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन कांग्रेस-वाम गठबंधन पश्चिम बंगाल में टीएमसी और भाजपा दोनों का विरोध करता है। दरअसल ममता बनर्जी ने बार-बार चौधरी पर भाजपा का एजेंट होने का आरोप लगाया है। हालांकि चौधरी इस आरोप का खंडन करते हुए दावा करते हैं कि टीएमसी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की बी-टीम के रूप में काम करती है।

चुनावी समझौता कांग्रेस से था, किसी व्यक्ति से नहीं : सलीम

चौधरी के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटने के बाद माकपा कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन के भविष्य को लेकर सतर्क है। माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने बताया, चुनावी समझौता कांग्रेस के साथ था, किसी व्यक्ति के साथ नही। अगला कांग्रेस अध्यक्ष कौन बना है, यह अप्रासंगिक है। चौधरी ने वामपंथियो के साथ मिलकर बंगाल मे धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक अधिकारो की लड़ाई मे अहम भूमिका निभाई। हम इस बात का क्यास नही लगा सकते कि पार्टी अब बंगाल मे क्या रुख अपनाएगी। हालांकि, वाम मोर्चा के एक अन्य नेता ने चिंता व्यक्त की कि यदि कांग्रेस बंगाल मे टीएमसी के करीब जाती है तो मौजूदा वाम-कांग्रेस गठबंधन खतरे मे पड़ सकता है।

कांग्रेस का नया प्रदेश अध्यक्ष होने से रिश्ते सुधरेंगे : सौगत रॉय

टीएमसी के वरिष्ठ सांसद सौगत रॉय ने कहा, टीएमसी और कांग्रेस दोनो ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन पश्चिम बंगाल मे अधीर चौधरी की वजह से दोनो दल करीब नही आ पाए। अब कांग्रेस का नया प्रदेश अध्यक्ष होने से हमे उम्मीद है कि कांग्रेस के साथ रिश्ते सुधरेंगे। सरकार एक बहुत ही सभ्य और परिपक्व राजनीतिक नेता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।